INTERNATIONAL JOURNAL OF HISTORY

E-ISSN: 2706-9117
P-ISSN: 2706-9109
IJH 2019; 1(1): 11-12
Received: 16-05-2019
Accepted: 20-06-2019

प्रीति
शोद्धार्थी डण्चैपस, (A.I.H.)
इतिहास विभाग, कुरूक्षेत्र
विश्वविद्यालय, हरियाणा, भारत

Corresponding Author:
प्रीति
शोद्धार्थी डण्चैपस, (A.I.H.)
इतिहास विभाग, कुरूक्षेत्र
विश्वविद्यालय, हरियाणा, भारत

हरियाणा के इतिहास में श्री रामकृष्ण गुप्ता जी का योगदान

प्रीति

प्रस्तावना

वास्तव में श्री रामकृष्ण गुप्ता जी कृतित्व के धनी थे। वे एक महान् स्वतन्त्रता सेनानी थे जिन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन और आजाद हिन्द फौज में कार्य किया। वे एक कुशल राजनीतिज्ञ भी रहे जो कांग्रेस के सदस्य भी बने बाद में महत्त्वपूर्ण पदों को प्राप्त किया तथा तीन बार लोकसभा के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने मजदूर संघ के प्रेसीडेंट के रूप में कार्य करते हुए मजदूरों की दशा को सुधारने का कार्य किया। वे एक महान समाज सुधारक थे। उन्होंने समाज सुधार के उद्देश्य से दादरी एजुकेशन सोसायटी की स्थापना की ताकि लोगों का नैतिक और भौतिक उत्थान हो सके।

श्री रामकृष्ण गुप्ता का जन्म 27 मई 1918 को पंजाब के बरनाला में हुआ था। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा बरनाला और दादरी से हुई। इन्होंने हाई स्कूल शिक्षा वैश्य हाई स्कूल रोहतक से की। इसके बाद ये बनारस चले गए और वहाँ डी0ए0वी0 कॉलेज से बी0ए0 की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके पश्चात् वे लाहौर गए और वहाँ से एल0एल0बी0 की उपाधि प्राप्त की। इनका विवाह फरवरी 1944 में श्रीमती सीता देवी से हुआ। इनके दो बेटे और तीन बेटियाँ हैं। ये जन्मजात स्वतन्त्रता सेनानी थे। इन्होंने 1942 में गाँधी जी के नेतृत्व में हुए भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया जिसमें उन्हें अंग्रेजों ने पकड़ कर जेल में डाल दिया और इन्होंने 16 महीनों तक जेल की यातनाएँ सहीं। ये सुभाष चन्द्र बोस के नेतृत्व वाली फारवर्ड ब्लॉक के सदस्य रहे और इन्होंने आजाद हिन्द फौज में भी भाग लिया। ये सुभाष चन्द्र बोस के काफी नजदीकी रहे हैं। ये लाहौर स्टुडेंट एसोसिएसन 1944–45, पंजाब स्टुडेंट कांग्रेस 1945–46, ऑल इंडियन स्टुडेंट कांग्रेस 1946–47, जींद स्टेट प्रजामण्डल 1946–47 और 1952–1955 के जनरल सक्रेटरी रहे हैं। ये 1955–56 में महेन्द्रगढ़ डिस्ट्रीक्ट कांग्रेस कमेटी के प्रेसीडेंट रहे हैं। गुप्ता जी महेन्द्रगढ़ जिले में खोली गई सरदार पटेल मैमोरियल फंड कमेटी के कन्वीनर भी रहे हैं। आप 1958–60 में जिला महेन्द्रगढ़ की बुढान समिति के कन्वीनर भी रहे हैं। आप 1954–55 में डालमिया दादरी सीमेंट वर्कर्स यूनियन और 1954–55 में डालमिया दादरी बार एसोसिएशन के प्रेसीडेंट के पद पर रहे। आपने राजनीतिक जीवन का लम्बा अनुभव प्राप्त कया है। आप हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अगस्त 1966 से नवम्बर 1967 तक जनरल सक्रेटरी के रूप में कार्य किया और आपने कुछ समय हरियाणा कांग्रेस कमेटी के प्रेसीडेंट के रूप में कार्य किया।

श्री रामकृष्ण गुप्ता जी तीन बार संसद के सदस्य के रूप में कार्य किया। प्रथम बार लोकसभा सदस्य चुने गए अगस्त 1955 से फरवरी 1957 तक, दूसरी बार लोकसभा सदस्ये बने 1957 से 1962 तक तथा तीसरी बार सदस्य 1967 तक लोकसभा के सदस्य के रूप में रहे।

गुप्ता जी ने स्वतन्त्रता के बाद विनोबा भावे द्वारा चलाए गए भूदान आन्दोलन में भी भाग लिया। जब ये लोकसभा के सदस्य बने उस समय आप पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह और फिरोजगांधी के साथ नजदीकी संबंध रहे हैं।

गुप्ता जी ने न केवल राजनीतिक कार्य किए अपितु समाज सुधार करने के कार्य भी किए। इन्होंने समाज सुधार का सबसे अच्छा माध्यम शिक्षा को माना और उसके लिए इन्होंने समाज के दूर–दराज क्षेत्र में जहाँ विकास नहीं हुआ था वहाँ शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा केन्द्रो की स्थापना की जिनमें सबसे प्रमुख है – सर्वप्रथम 1962 में दादरी एजुकेशन सोसायटी की स्थापना की। उन्होंने चरखी दादरी में शिक्षा के विकास के लिए कठिन परिश्रम किया जिनके प्रयत्नों से आज चरखी दादरी में एक दर्जन स्कूल और कॉलेज शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। वर्तमान में दादरी एजुकेशन सोसायटी भारतीयों को अपनी मातृभूमि पर गर्व करने और नैतिक मूल्यों पर जोर देने का काम करती है।

14 अप्रैल 2009 का दिन चरखी दादरी के इतिहास का एक दुखद दिन था। इस दिन श्री रामकृष्ण गुप्ता जी ने अपनी अन्तिम सांस ली थी। वास्तव में वे मरे नहीं बल्कि हमारे बीच आज भी उनकी शिक्षाएं व उनके द्वारा किए गए कार्य हमें मार्गदर्शन का कार्य करते हैं।

वास्तव में श्री रामकृष्ण गुप्ता जी कृतित्व के धनी थे। वे एक महान् स्वतन्त्रता सेनानी थे जिन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन और आजाद हिन्द फौज में कार्य किया। वे एक कुशल राजनीतिज्ञ भी रहे जो कांग्रेस के सदस्य भी बने बाद में महत्त्वपूर्ण पदों को प्राप्त किया तथा तीन बार लोकसभा के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने मजदूर संघ के प्रेसीडेंट के रूप में कार्य करते हुए मजदूरों की दशा को सुधारने का कार्य किया। वे एक महान समाज सुधारक थे। उन्होंने समाज सुधार के उद्देश्य से दादरी एजुकेशन सोसायटी की स्थापना की ताकि लोगों का नैतिक और भौतिक उत्थान हो सके।

सन्दर्भ ग्रंथ

1. Parliament Proceeding (1952-67)
2. Vipin Chandra, History of Freedom Movement.
3. https://Jdkes.org
4. 4th Lok Sabha Members Bioprofile
5. www.Jvmgrr.org